राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 : बिहार में लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार

चर्चा में क्यों?

24 नवंबर, 2021 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के द्वारा जारी राष्ट्रीय पारिवारिक सर्वेक्षण-5 के अनुसार बिहार के लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह 2015-16 के सर्वेक्षण (NHFS-4) के 1062 से बढ़कर 1090 हो गया है।

प्रमुख बिंदु

- बिहार में लिंगानुपात (प्रतिहज़ार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या) बढ़कर 1090 हो गया है, जो पिछले सर्वेक्षण **(NFHS-4 2016-16)** में 1062 था।
- बिहार के शहरी क्षेत्रों का लिंगानुपात जहाँ केवल 982 है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों का लिंगानुपात 1111 है।
- सर्वेक्षण के अनुसार, बिहार के 15-49 आयु वर्ग की महिलाओं में साक्षरता दर केवल 55 प्रतिशत है, जो चिंता का कारण बना हुआ है।
- बिहार में शिशु मृत्यु दर पिछले सर्वेक्षण के 48.1 से घटकर 46.8 (प्रतिहज़ार) हो गया है।
- बिहार में परिवार नियोजन के मामले में जबरदस्त सुधार हुआ है। **NFHS-4** के अनुसार बिहार के 15-49 वर्ष आयु श्रेणी की महिलाओं में केवल 24.1 प्रतिशत महिलाओं ने परिवार नियोजन किया था, जो NFHS-5 में बढ़कर 55.8 प्रतिशत हो गया है।
- वहीं बिहार के 15-49 वर्ष की 63.5 प्रतिशत महिलाएँ एनीमिया की शिकार हैं, जो पिछले सर्वेक्षण में 60.3 प्रतिशत थी।
- बिहार में कुल प्रजनन दर भी पिछले सर्वेक्षण के 3.4 से घटकर 3.0 (बच्चे/स्त्री) हो गई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/significant-improvement-in-sex-ratio-in-bihar-nfhs-5